A.B.M. College, Golmuri, JSR

Inter 2nd year

Hindi Elective

Ch=07 गद्य खण्ड

पाठ का नाम ⇒ संवदिया

लेखक का नाम ⇒ फणीश्वरनाथ 'रेणु'

Q. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-

Q.1 गुल मुहम्मद आगा कितने वर्ष पहले हरगोबिन के गाँव में आया था ?

Ans पाँच वर्ष पहले।

Q.2 हरगोबिन को बड़ी हवेली में किसने बुलाया था ?

Ans बड़ी बहुरिया ने।

Q.3 हरगोबिन कहाँ गया था ?

Ans बड़ी हवेली में।

Q.4 "मैं तुम्हारा बेटा। बड़ी बहुरिया और तुम मेरी माँ।" किसने, किससे कहा ?

Ans हरगोबिन ने बड़ी बहुरिया से कहा।

Q.5 हरगोबिन के पास कहाँ तक के किराए के पैसे थे ?

Ans कटिहार तक के।

Scanned with CamScanner

Q.6 बड़ी बहुरिया की माँ ने अपनी बेटी के लिए क्या भेजा ?

Ans बासमती धान का चूड़ा ।

Q.7 हरगोबिन को किसने जलपान स्वागत किया ?

Ans बड़ी बहुरिया की माँ ने ।

Q.8 क्या हरगोबिन ने बड़ी बहुरिया की माँ को कोई संवाद सुनाया ?

Ans नहीं ।

Q.9 हरगोबिन किस गाँव का संवदिया था ?

Ans जलालगढ़ का ।

Q.10 हरगोबिन को किसने पहचान लिया ?

Ans बड़ी बहुरिया के गाँव वालो ने ।

Q.11 हरगोबिन जलालगढ़ पैदल क्यों गया ?

Ans हरगोबिन के पास जलालगढ़ जाने के लिए किराए के पैसे नहीं थे ।

Q.12 बड़ी बहुरिया ने संवदिया को देने के लिए कितने रुपये निकाले ?

Ans पाँच रुपये ।

Scanned with CamScanner

Q. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :—

Q.1 संवदिया की क्या विशेषताएँ हैं और गाँववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है?

Ans संवाद ले जाने वाले ~~अशिक्षित~~ व्यक्ति को संवदिया कहा जाता है। प्राचीन काल में संदेश भेजने के लिए संदेशवाहकों - हरकारों को भेजा जाता था। हरगोबिन एक संवदिया है। आज के समय में गाँव-गाँव में डाकघर खुल गए हैं पर किसी गुप्त समाचार को ले जाने की आवश्यकता संवदिया को बुला ही लेती है। प्रायः गुप्त व महत्वपूर्ण संदेश संवदियों के द्वारा ही भेजे जाते थे।

गाँव के लोग संवदिया को प्रायः तिरछट्टू, कामचोर अथवा गैर जिम्मेवार व्यक्ति मानते थे। उनके बारे में यही धारणा थी कि जिसे और काम नहीं मिलता, वही व्यक्ति संवदिया के व्यवसाय को अपनाते हैं, परन्तु उनकी यह धारणा गलत थी। क्योंकि संवदिया बनने के लिए इस कार्य में निपुण होना अति आवश्यक है। संवदिया बहुत संवेदशील और संयमी स्वभाव का व्यक्ति होता है। संवदिया संवाद का

Scanned with CamScanner

प्रत्येक शब्द याद रखता है। वह संवाद को उसी सुर और स्वर में सुनाता है जैसा उसे सुनाया जाता है।

Q.2 बड़ी हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन के मन में किस प्रकार की आशंका हुई?

Ans बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने अपने मायके समाचार भेजने के लिए हरगोबिन को बुलाया। जब हरगोबिन को बड़ी हवेली से बुलावा आया तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ। कि उसे क्यों बुलाया गया होगा। यह बड़ी हवेली कभी रौनक वाली होती थी, यह बात हरगोबिन को पहले से पता थी लेकिन अब उसकी दशा से भी भलीभाँति परिचित था।

वह अपनी पीड़ा सुनाती है और कहती है कि "माँ से कहना, मैं भाई-भाभियों की नौकरी करके पेट पालूँगी। बच्चों की जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी, लेकिन यहाँ अब नहीं ... अब नहीं रह सकूँगी। कहना, यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएगी तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरूँगी। यह गुप्त समाचार को पाकर वह उसके मायके चला जाता है।

Scanned with CamScanner